थिएटर कमानों के लिए एकीकृत सैन्य रसद-ढाँचा: क्या योजना है और क्या अभी बाकी है

मुख्य परीक्षा विश्लेषण | रक्षा सुधार और आंतरिक सुरक्षा | समाचार-संदर्भ: 15-16 अक्टूबर 2026 | प्रकाशन: 27 अक्टूबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

इंडियन एक्सप्रेस (15 अक्टूबर 2026, 16 अक्टूबर को अद्यतन) के अनुसार सैन्य मामलों के विभाग (DMA) के संयुक्त सचिव रियर एडमिरल कुणाल सिंह राजकुमार ने राज्यसभा सांसद डॉ. अजीत माधवराव गोपछड़े को लिखे पत्र में बताया कि प्रस्तावित थिएटर कमानों के लिए एकीकृत रसद-ढाँचा विकसित किया जा रहा है। यह पत्र सांसद के उस पत्र के जवाब में था जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री से अमेरिका की डिफेंस लॉजिस्टिक्स एजेंसी (DLA) के मॉडल पर एकीकृत रक्षा रसद और ईंधन-प्रबंधन ढाँचे पर विचार करने का आग्रह किया था। ध्यान दें कि DLA-जैसा ढाँचा सांसद का सुझाव है। DMA के पत्र के अनुसार चल रहा काम सेवा-विशिष्ट रसद को एकीकृत ढाँचे में बदलने का है।

पृष्ठभूमि: DMA के पत्र के अनुसार क्या हो रहा है

- **TLMA:** त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट एप्लिकेशन विकसित हो रहा है, जो थल सेना, नौसेना और वायु सेना की वास्तविक-समय की साझा सूची-दृश्यता देगा और हर सेवा के ERP सॉफ़्टवेयर को जोड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार यह निर्माणाधीन है।
- **राष्ट्रीय रक्षा संहिताकरण प्रणाली:** नाटो की स्टॉक-नंबर प्रणाली जैसी व्यवस्था पर काम चल रहा है। साथ ही संयुक्त रसद नोड, फिर संयुक्त गोला-बारूद डिपो, एयर स्टोर्स सप्लाई पार्क और सामग्री संगठन पूरे देश में बनाने की योजना है।

- **PM गति शक्ति रक्षा पोर्टल:** राष्ट्रीय रसद नीति और यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफ़ेस प्लेटफ़ॉर्म (ULIP) से जुड़ाव के लिए विकसित हो रहा है, ताकि सेवाओं और थिएटर सीमाओं के पार "संयुक्त रसद इंटरफ़ेस" बने।
- **जो हो चुका है:** सशस्त्र बलों ने संयुक्त संचालन रसद समिति, संयुक्त सेवा अध्ययन समूह, संयुक्त कार्य समूह और अंतर-सेवा रखरखाव कार्य समूह बनाए हैं। सितंबर 2025 में कोलकाता के संयुक्त कमांडर सम्मेलन में तीन संयुक्त सैन्य स्टेशनों की घोषणा हुई थी।
- **AI और वित्त:** रिपोर्ट के अनुसार रसद-अनुकूलन के लिए AI और मशीन लर्निंग लाई जा रही है, और पूर्वानुमान-आधारित रखरखाव विश्लेषण सीमित उपयोगों में लग चुका है। पुरानी वित्तीय और खरीद-व्यवस्था में भी संयुक्त रसद के लिए संशोधन हो रहा है।

सांसद के सुझाव (सरकारी प्रतिबद्धता नहीं)

- सेना, नौसेना और वायु सेना की ईंधन खरीद, भंडारण, परिवहन और गुणवत्ता नियंत्रण को जोड़ने वाली एकीकृत रक्षा ईंधन-प्रबंधन प्रणाली, और IOCL, BPCL, HPCL, रक्षा डिपो, RFID, GPS तथा डिजिटल ऑडिट से जुड़ा सुरक्षित सैन्य ईंधन कार्ड।
- पुर्जों की माँग के पूर्वानुमान और काफ़िलों के अनुकूलन के लिए AI-आधारित पूर्वानुमान रसद, और सैन्य-स्तर के ईंधन-स्नेहकों के लिए केंद्रीकृत परीक्षण मानकों वाला एकीकृत पेट्रोलियम गुणवत्ता नेटवर्क।
- रिपोर्ट के अनुसार DMA के पत्र में यह भी कहा गया कि DLA जैसा संयुक्त रसद एकीकरण एक रणनीतिक अनिवार्यता है और रक्षा मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकता है।

विश्लेषण

- **क्यों जरूरी:** अभी हर सेवा अपने अलग तंत्र में भंडार रखती है, इसलिए पुर्जे या ईंधन खोजने में कई सूचियाँ देखनी पड़ सकती हैं। साझा दृश्यता थिएटर कमानों के लिए एक आधार हो सकती है।
- **चुनौतियाँ:** सेवा-विशिष्ट ERP का एकीकरण, पुरानी खरीद और वित्त-व्यवस्था में बदलाव, और थिएटर कमानों की औपचारिक संरचना की प्रतीक्षा। रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश तत्व अभी विकासाधीन हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"थिएटर कमान की सफलता केवल संरचना-परिवर्तन पर नहीं, रसद-एकीकरण पर भी टिकी है। टिप्पणी कीजिए।" (GS-III, 150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: थिएटर कमानों की योजना और सेवा-विशिष्ट रसद की चुनौती का संदर्भ दें।

मुख्य भाग में: TLMA, संहिताकरण प्रणाली, संयुक्त नोड और गति शक्ति रक्षा पोर्टल जैसे कदम तथा ईंधन और AI के सुझाव लिखें।

निष्कर्ष में: कहें कि थिएटर कमान की प्रभावशीलता साझा रसद, डेटा-एकीकरण और संस्थागत सुधारों पर निर्भर करेगी।

स्रोत और सीमाएँ

- इंडियन एक्सप्रेस, 15 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): India takes a step towards US-style integrated military logistics
- **सीमाएँ:** विवरण इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में उद्धृत DMA के पत्र पर आधारित हैं; पत्र का मूल पाठ यहाँ नहीं देखा गया। थिएटर कमानों की औपचारिक संरचना की घोषणा अभी नहीं हुई है।